BSES

अर्थ आवर मुहिम के लिए बीएसईएस ने की डब्लूडब्लूएफ से साझेदारी

बत्ती बुझाएं : 27 मार्च, रात 8.30 से 9.30 बजे

नई दिल्लीः 25 मार्च, 2010। धरती और पर्यावरण के प्रति अपनी चिंता जाहिर करते हुए बीएसईएस ने अपने 25 लाख से अधिक उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे आगामी 27 मार्च को रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच अपने घरों और दफ्तरों की बिजली ऑफ कर दें। एक घंटे के लिए स्वैच्छिक रूप से ऐसा करके वे दुनियाभर में पर्यावरण व धरती को बचाने के लिए चल रही मुहिम का अभिन्न हिस्सा बन जाएंगे। इस मुहिम में बीएसईएस डब्लूडब्लूएफ, यानी वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर / वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड की साझेदार है। बीएसईएस, इस अनोखी पहल से आधिकारिक समर्थक के तौर पर जुड़ी है। अन्य समर्थकों में ब्रिटिश एंबेसी, ताज होटल्स, आईबीएम, नोकिया, कैनन, आईटीसी–वेलकम ग्रुप, और विप्रो समेत कई अन्य नामी व प्रतिष्ठित संस्थाएं भी शामिल हैं।

27 मार्च को एक घंटे के लिए दुनियाभर के 8000 शहरों के लोग पर्यावरण के प्रति चिंता जाहिर करते हुए, बिजली ऑफ करने जा रहे हैं। अपने देश में दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरू समेत 15 बड़े शहर आधिकारिक रूप से अर्थ आवर में हिस्सा ले रहे हैं। दुनियाभर की सेलिब्रिटीज और लीडर्स ने अर्थ आवर के पक्ष में लोगों से अपील की है। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित और फिल्म स्टार अभिषेक बच्चन ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इस मुहिम से जुड़े हैं।

अर्थ आवर को प्रमोट करने व इसके प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए बीएसईएस तमाम प्रयास कर रही है। बिजली बिल के साथ मिलने वाली द्विभाषी न्यूजलेटर –*सिनर्जी*– के माध्यम से कंपनी ने अपने सभी उपभोक्ताओं से अर्थ आवर के दौरान बत्ती ऑफ करने की अपील की है। इसके अलावा, आरडब्लूए के साथ मीटिंग में डब्लूडब्लूएफ द्वारा अर्थ आवर पर बनाई गई डॉक्यूमेंटरी फिल्म भी बीएसईएस दिखा रही है। बीएसईएस व विभिन्न आरडब्लूए के ऑफिसों में डब्लूडब्लूएफ द्वारा बनवाए गए पोस्टर प्रदर्शित किए जा रहे हैं। बीएसईएस कर्मचारियों के कंप्यूटर डेस्कटॉप पर अर्थ आवर मैसेज को बैकग्रांड के तौर पर डाला गया है। यही नहीं, इस बारे में उपभोक्ताओं को एसएमएस और ईमेल भेजे जा रहे हैं। बीएसईएस कॉल सेंटर नंबर पर भी उपभोक्ताओं से अर्थ आवर में शामिल होने का अनुरोध किया जा रहा है।

950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले बीएसईएस के 400 से अधिक ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान उन लाइट्स को ऑफ कर दिया जाएगा, जिन्हें ऑन रखना अतिआवश्यक नहीं है।

बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के मुताबिक, ग्लोबल वार्मिंग व ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने की दिशा में प्रतिबद्धता का एक संकेत है अर्थ आवर। हमें उस दिन के लिए काम करना है, जब हमें अर्थ आवर की जरूरत ही नहीं रहेगी।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन के अनुसार, अपने परिचालन में बीएसईएस ने हमेशा पर्यावरण का खास ध्यान रखा है। ग्लोबल वार्मिंग एक वैश्विक चिंता है, और कोई भी जिम्मेदार कॉरपोरेट इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमें ऐसे तरीकों पर अमल करना होगा, जो पर्यावरण के लिए हितैषी हों।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, पिछले साल दिल्ली के लोगों ने अर्थ आवर के दौरान 800 मेगावॉट से अधिक बिजली की बचत की थी। इसमें 272 मेगावॉट बिजली सिर्फ बीएसईएस इलाके में ही बचाई गई थी। प्रवक्ता ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण पर बीएसईएस हमेशा ध्यान देती आ रही है। सभी मंचों पर कंपनी इस मसले को उठाती रही है। बिजली बचत की दिशा में कंपनी द्वारा किए गए हाल के प्रयासों को देखें, तो बिजली चालित वाहनों के लिए मुफ्त चार्जिंग पोर्ट लगाए जा रहे हैं, स्कूलों में बिजली ज्ञान अभियान चलाया गया, कम कीमतों पर सीएफएल उपलब्ध कराए गए और उनका सुरक्षित डिसपोजल भी सुनिशिचत किया गया।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्रप्रकाश कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304